Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
February 2024 5(2), 547–552

A STUDY OF THE IMPACT OF FAMILY ENVIRONMENT ON THE ACADEMIC INTEREST OF HIGH SCHOOL STUDENTS

हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक रुचि पर प्रभाव का अध्ययन

Beena Shukla [1], Prof. Dr. Sangeeta Shroff [2]

[1] Research Scholar
[2] Professor, MATS School of Education, MATS University Raipur (CG)

DOI
10.29121/shodhkosh.v5.i2.2024.2631

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

ABSTRACT

English: Education is very important for the development and prosperity of any nation. After education was included in the fundamental rights in India, today there are lakhs of children who are unable to go to school or leave going to school at the primary level itself and some children also start working at the age of playing and studying due to poverty of the family, financial crisis, separation from family due to natural disaster and lack of social security. Without education, a person cannot develop completely. Education is the most important part of human life.

Hindi: किसी भी राष्ट्र के विकास व समृद्धि के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है भारत में शिक्षा को मौलिक अधिकार में शामिल किये जाने के बाद आज लाखो बच्चे ऐसे है जो विद्यालय नही जा पाते है या प्राथमिक स्तर पर ही विद्यालय जाना छोड़ देते है एवं कुछ बच्चे ऐसे भी जो परिवार की गरीबी आार्थिक तंगी, प्राकृतिक आपदा के कारण परिवार से अगल होने और सामाजिक सुरक्षा के अभाव मे खेलने व पढ़ने की आयु मे काम करने लगते हैं, शिक्षा के बिना किसी व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास नही हो सकता है शिक्षा मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अंग है।

Keywords: High School Level, Family Environment Educational Interest, हाईस्कूल स्तर, पारिवारिक वातावरण शैक्षिक रुचि

1. प्रस्तावना

एक राष्ट्र अथवा समाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण साधन मानव है। कोई भी राष्ट्र उस समय ही उन्नति के रास्ते पर आगे आ सकता है। जब वह स्वतंत्रतापूर्ण कार्य कर सके, वास्तव में मानव के विकास के इतिहास में शिक्षण एक महत्वपूर्ण स्था रखता है। शिक्षा ही समस्त विकास की आधारशिला है जब एक शिशु जन्म लेता है तो वह न बोलना जानता है न चलना-फिरना, न ही उसमें किसी आदर्श रीति-रिवाजो जथा परम्पराओं का ज्ञान होता है परन्तु जैसे-जैसे वह बड़ा होता है उस पर शिक्षा का प्रभाव पडता है वह दूसरी और उनमें सामाजिक भावना भी विकसित होती है, इस प्रकार के बालक के व्यवहार में वांछनीय परिवर्तन के लिए शिक्षा परम आवश्यक है। शिक्षा मानव जीवन का आधार है।

शिक्षा का सैद्धांतिक आधार दर्शन पर आधारित है और दर्शन का संबंध जीवन से है । जीवन यापन के ढंग का दर्शन कहते हैं। शिक्षा के साधन के रुप में परिवार का दोहरा दायित्व है। प्रथम व्यक्ति के प्रति तथा द्वितीय समाज के प्रति व्यकित के प्रति उसका प्रमुख दायित्व बच्चे का समाजीकरण करना है साथ ही उसके विकास तथा संरक्षण के लिए कार्यकसा है।

2. पारिवारिक वातावरण

'घर' या परिवार समाज की एक इकाइ्र है, यह सबसे अधिक आधारभूत समाजिक समूह है। जिसमें साधारणतः पति-पत्नी और उसके बच्चे होते है। पारिवारिक वातावरण का बालको के मानसिक स्वास्थ्य पर अअसर दिखता है। बालक के मनोवैज्ञानिक विकास मे स्कूल के भाति परिवार भी अपना एक विशिष्ट स्थान रखता है।

बालक के व्यक्तित्व के विकास में परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहता हैं। प्रायः बालक के अन्दर गुणों अथवा दुर्गुणों के संस्कार परिवार के वातावरण में ही पड़ता है। सच बोलना, चोरी न करना, उदार रहना इत्यादि जीवन में अपनानी वाली बातों तथा झूट बोलना, आलस्य स्वार्थ वृत्ति आदि दुर्गुणों के पीछे परिवर की ही पृष्ठभूमि होती हैं एक प्रकार से सीखने की प्रक्रिया बालक की पतिक्रिया आश्रित होति है।

अधिकांश बालक शुरु के छः या सात वर्षो को सामान्य परिवार में ही रहकर व्यतीत करते है। इस काल में यद्यपि उस पर माता-पिता का काफी प्रभाव पड़ता है। वर्तमान अध्यन में पारिवारिक वातावरण का उद्देश्य सामजिक, संवेगात्मक और संज्ञानात्मक सहयोग के मात्रात्मक और गुणात्मक मापदण्ड को ध्यान में रखा जाता है।

पारिवारिक वातावरण दो शब्दो से मिलकर बना है पारिवारिक + वातावरण इसका अर्थ यह है - परिवार का वातावरण जहां माता-पिता का बच्चों के विकास में मदद करता है वर्तमान में देखा गया है कि माता-पिता द्वारा बच्चों के पालन पोषण में जो व्यवहार होता है यह उनकी विशेषताएं होती हैं

3. शैक्षिक रुचि

जिस वस्तु में हमें रुचि होती है वह हमारे लिए दूसरी वस्तुओं से भिन्न और महत्वपूर्ण होती है वह हमें उस वस्तु से लगाव रहता है हमें वस्तुओं में इसलिए रुचि होती है क्योकि हमारे लिए उनमे और दूसरी वस्तुओं में अंतर होता है क्योकि उस वस्तु का हमसे संबंध होता है।

रुचि व प्रेरणादायक शक्ति है, जो हमें किसी व्यक्ति वस्तु या क्रिया के प्रति ध्यान देने के लिए प्रेणा देती है। आधुनिक समय में अनेक विद्यालयों में हमें मित्रता और संघर्ष का वातावरण पाते है। अब इनमें परम्परागत औपचारिकता मजबूरी, मौन,तनाव, और दण्ड के अधिकतर दर्शन नहीं होते हैं। पहले शिक्षा विषय-प्रधान और अध्यापक प्रधान थी। उसमे बालक को तनिक भी महत्व नहीं दिया जाता। उसके मस्तिष्क को खाली बर्तन समझा जाता था। जिसे उनके रुचि अनुसार ज्ञान से भरना शिक्षक का कर्तव्य था। शिक्षा को बाल-केन्द्रित बना दिया। जब शिक्षा बालक के लिए है न कि बालक शिक्षा के लिए किसी विषय विषय में छात्र की रुचि उत्पन्न करने के लिए, शिक्षक को छात्र के बारे में कुछ बाते और विषय के बारे में बहुत सी बाते जाननी चाहिए।

रुचि एक प्रेरणा दायक शक्ति है, जो हमें किसी व्यक्ति वस्तु या क्रिया के प्रति ध्यान देने के लिए प्रेरणा देती है।

शैक्षिक रुचि एक ऐसी रुचि होती है, जिससे हम अपने इच्छा के विषय पढ़ सकते हैं जिससे हमारा विकास भी तेजी से हो जाता है और हमारा अधिगम भी आसान हो जाता है। जो हम सिखते है वह स्थाई रुप से हमारे मस्तिष्क पर रहता है। हम कोई भी विषय से जुडी जानकारी को अपने में सुरक्षित रखते है। आज के जमाने में शिक्षा अति आवश्यक होती जा रही हैं शिक्षित व्यक्ति सभी जगह पूजे जाते है। शिक्षा के हर क्षेत्र में तेजी से विकास हो राहा है। आज हम शिक्षा से ही नई-नई उंचाइयों तक पंहुच रहें है। शिक्षा एक ऐसी चाबी है जो हमारे ज्ञान का रासता खोलती है।

शैक्षिक रुचि दो शब्दो के योग से बना है शैक्षिक$रुचि। शैक्षिक रुचि की ही एक शाखा है, बालक अपने जीवन काल में अनेक प्रकार की ज्ञान कौशल अर्जित करता हैं। शिक्षण के समय अगर उन्हें उनकी रुचि के अनुसार शिक्षा ग्रहण करवायी जाये तो वह उससे स्थायी रुप से उस ज्ञान को सीख जाता हैं।

'' विद्यालय का कठोर तथा भययुक्त वातावरण भी बालको की रुचियों पर प्रभाव डालता हैं। जिन विद्यालय मे अनुसाशन तथा अध्यापकों का व्यवहार मृदु होता है बालको की रुचियां प्रभावित नही होती । अरुचिकर शिक्षण विधियां भी बालकों की रुचि को प्रभावित करती हैं।

4. संबंधित शोध का अध्ययन

सुलेखा (2011)- ने '' उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं मानकसक स्वास्थ्य का उनके अधिगम पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन'' किया एवं निष्कर्ष में पाया कि उच्च योग्यता वाले बच्चों ने संज्ञानात्मक उद्दीपकीय पारिवारिक वातावरण का आनन्द उठाया योजना योग्यता का परिवार के आरक से कोई संबंध नही था।

एन.एम.एल. (1990)- ने लड़के-लड़कीयों की शक्षिक उपलब्धि के संबंधों का अध्ययन किया तथा उप पर पड़ने वाले पारिवारिक वातावरण के चरों के प्ररभाव का अध्ययन किया एवं निष्कर्ष में पाया कि -

- पारिवारिक वातावरण का बालकों के मासिक स्वास्थ्य परा असर दिखता हैं ।
- परिवार में कलह का वातावरण होने से भी बच्चे का शैक्षिक विकास प्रभावित होता है।

फ्रीकल(1980) - के अध्ययन के अनुसार उच्च उपलब्धि प्राप्त विद्यार्थियों की उपलब्धि इसलिए उन्होंने पाया कि विद्यार्थियों का घरेलू वातावरण उनकी रुचि, बौधिक क्षमता एवं शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती हैं।

मिश्रा ररंजना (1993)- ने उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं की शैक्षिक रुचियों का अध्ययन किया निष्कर्ष में पाया गया कि कृषि, वाणिज्य, मानविकी विज्ञान एवं तकनीकी विज्ञान में छात्र-छात्राओं की रुचियां समान थी, जबकि फाइन आर्ट्स तथा गृह विज्ञान में छात्राओं की रुचियां छात्रों की अपेक्षा अधिक थी।

5. समस्या कथन

''हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों के वातावरण का उनकी शैक्षिक रुचि पर प्रभाव का अध्ययन''

6. अध्ययन का उद्देष्य

1) हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना ।
2) हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों पर शैक्षिक रुचि के प्रभाव का अध्ययन करना।
3) हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक प्रभाव का अध्ययन करना।

7. अध्ययन की परिकल्पना

H01 हाईस्कूल स्तर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों पर पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नही पाया जाएगा।

H02 हाईस्कूल स्तर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों पर शैक्षिक रुचि का सार्थक प्रभाव नही पाया जाएगा।

8. प्रस्तुत अध्ययन का क्षेत्र एवं परिसीमाएं

प्रस्तुत शोघ अध्ययन में रायपुर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय शालाओं के विद्यार्थियों का चयन किया गया।

9. न्यादर्ष

कक्षा नवमी के 600 विद्यार्थियों का चयन किया जावेगा।

अध्ययन विधि- प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षध विधि का उपयोग करके न्यादर्श का चयन किया गया जिसमें रायपुर जिले के हाईस्कूल विद्यालय मे से 600 छात्र-छात्राओं का चयन करके सर्वेक्षण विधि से आंकड़ा का संकलन किया गया है।

न्यादर्ष एचं न्यार्ष चयन प्रक्रिया- रायपुर जिले के शासकीय और अशासकीय ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रो विद्यालयों में 600 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रुप में चयन किया गया।

10.सांख्यिकीय अभिप्रयोग

परिकल्पना क्रमाक H01 हाईस्कूल स्तर के ग्रामीण स्तर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों पर पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नही पाया जायेगा। इस परिकल्पना का Independent Sampale '+' Test से विश्लेषित किया गया।

शहरी -ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हाईस्कूल के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण की तुलना -

चर	शहरी क्षेत्र के विद्यार्थी (N=300)		ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थीZ (N=300)		Mean Diff.	'+'
	Mean	S.E.	Mean	S.E.		
सामंजस्य	18.46	0.477	15.46	0.474	3.00	4.45
अभिव्यक्ति	18.06	0.439	16.64	0.477	1.42	2.36
संघर्ष	16.25	0.467	18.76	0.470	2.50	3.76
स्वातन्त्र	19.48	0.503	18.14	0.517	1.34	1.86
उपलब्धि अभिविन्यास	18.41	0.522	17.05	0.424	1.36	2.02

बौद्धिक सांस्कृतिक अभिविन्यास	19.48	0.516	16.27	0.458	3.21	4.65
सक्रिय मनोरंजक अभिविन्यास	16.24	0.430	14.15	0.381	2.09	3.64
नैतिक धार्मिक प्रमुखता	16.22	0.462	14.02	0.479	2.19	3.29
संगठन	16.58	0.432	17.08	0.417	0.50	0.84
नियंत्रण	16.96	0.402	16.10	0.474	0.86	1.38

'+'(df=598)at. 05 Level 1.96 and 2.59 at 0.01 level.

1. तलिका के अनुसार शहरी ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों के समूह के पारिवारिक वातावरण के आयामों सामंजस्य, अभिव्यक्ति संघर्ष उपलब्धि अभिविन्यास बौद्धिक सांस्कृतिक अभिविन्यास सक्रिय मनोरंजक अभिविन्यास तथा नैतिक धार्मिक प्रमुखता पर सार्थक भिन्नता पायी गयी परन्तु स्वातंत्र संगठन तथा नियत्रण आयामों पर दोनों समूहों के बीच भिन्नता नहीं थी अतः परिकल्पना क्रमाक 01 हाईस्कूल स्तर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र का विद्यार्थियों पर पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा। आंशिक रुप से अस्वीकार की जाती है।
2. परिकल्पना क्रमाक H02 हाईस्कूल स्तर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियां पर शैक्षिक रुचि का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा इस परिकल्पना को Independent Sample '+' Test से विश्लेषित किया गया।

शहरी ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हाईस्कूल के विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि की तुलना –

चर	शहरी क्षेत्र के विद्यार्थी (N=300)		ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी (N=300)		Mean Diff.	'+'
	Mean	S.E.	Mean	S.E.		
शैक्षिक रुचि	7.24	3.90	6.64	3.91	0.60	1.90

'+'(df=598) at. 05 Level 1.96 and 2.59 at 0.01 level.

तालिका के अनुसार शहरी Mean 7.24 तथा ग्रामीण क्षेत्र के हाईस्कूल के विद्यार्थियों Mean 6.64 की शैक्षिक रुचि में सार्थक भिन्नता नहीं पायी गयी यद्यपि शहरी क्षेत्र के हाईस्कूल के विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि ग्रामीण क्षेत्र के हाईस्कूल के विद्यार्थियों से अधिक थी पर '+'=1.90 सांख्यिकीय रुप से सिद्ध नही था।

परिणाम के अनुसार शहरी तथा ग्रामीण हाईस्कूलों के विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि मे सार्थक भिन्नता नहीं पायी गयी। अतः परिकल्पना H02 हाईस्कूल स्तर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों पर शैक्षिक रुचि का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया, स्वीकार की जाती है।

11.निष्कर्ष

1) शहरी ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों के समूह मे पारिवारिक वातावरण के आयामों सामंजस्य, अभिव्यक्ति, संघर्ष, उपलब्धि, अभिविन्यास, बौधिक सांकृतिक प्रमुखता पर सार्थक भिन्नता पायी गयी परन्तु स्वातंत्र, संगठन तथा नियत्रंण आयामों पर दानों समूहो के बीच भिन्नता नही थी।
2) शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हाईस्कूल के विद्यार्थियों के शैक्षिक रुचि को प्रभावित नहीं करती है

12.सुझाव

स्कूल प्रषासन के लिए सुझाव -

1) पारिवारिक समर्थन का संवाद- प्रशासन को विद्यार्थियों के परिवारो के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए यह संवाद विद्यार्थियों की रुचियों और पारिवारिक समर्थन को समझने में मद्द करेगा।
2) विद्यार्थी की आवश्यकताओं को समझना - प्रशासन को विद्यार्थियों के पारिवारिक माहौल को समझना चाहिए जैसे उसकी आर्थिक स्थिति परिवार की समय सामाग्री और विद्यार्थी की स्थिति पर।
3) विद्यार्थी के उच्च स्तर के शैक्षिक लक्ष्यों का समर्थन- प्रशासन को उन विद्यार्थियों के लक्ष्यों का समर्थन करना चाहिए जो उच्च शैक्षिक स्तर पर पहुचने के लिए प्ररित है।

इन सुझावों के माध्यम से स्कूल प्रशासन विद्यार्थियों के पारिवारिक महौल को समझ कर उनकी शैक्षिक रुचि को समर्थित कर सकता है।

अभिभावकों के लिए सुझाव-

1) विद्यार्थी की रुचियों को समझें- अभिभावकों को विद्यार्थी की रुचियों को समझने का प्रयास करना चाहिए इसके लिए विद्यार्थी के साथ बातचीत करना चाहिए और उनकी प्राथमिकताओं को जानना चाहिए।
2) संचार कों मजबूत करे- अभिभावकों को विद्यार्थी के स्कूल में होनें वाली प्रगति या कैरियर के बारे में समय-समय पर संचार करना चाहिए। इससे उनहे विद्यार्थी की रुचि और प्रगति को समझने में मद्द मिलेगी।
3) स्कूल के साथ संबंध बनाए- अभिभावको को स्कूल के साथ एक मजबूत संबंध बनाये रखना चाहिए इससे वे विद्यार्थी के शैक्षिक और सामाजिक प्रगति को समझ सकते हैं और उनके समर्थन में सक्षम हो सकते है।

षिक्षको के लिए-

1) शिक्षको को समझे- शिक्षको के साथ विभिन्न क्षेत्रो मे बातचीत करे और उनकी प्राथमिकता को समझे।
2) समर्थन प्रदान करें- शिक्षको को उनकी शैक्षिक रुचि को सम्मान दे और उनके अध्ययन में विभिन्न गतिविधियों और कोर्सो में सहभागिता करने में मद्द कर सकतें है।
3) संवाद बनांए- शिक्षको के साथ संवाद बनाए रखे और उनहे अपने शैक्षिक और कैरियर लक्ष्यों के बारे में समय-समय पर बातचीत करें।

विद्यार्थियों के लिए-

हाईस्कूल के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावण का उनकी शैक्षिक रुचि पर विद्यार्थियों के सुझाव-

1) सहयोग और समर्थन- पारिवारिक सदस्यों को विद्यार्थियों के संमर्थन के सक्रिय भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।
2) समय का प्रबंधन- पारिवाकि सदस्यों को विद्यार्थियों के अध्ययन समय और कार्यक्षेत्र को समय सारणी बनाने में सहायता करने के लिए आमंत्रित करें।
3) प्रेरणा और प्रतिस्पर्धा का समर्थन- पारिवारिक सदस्यों को विद्यार्थियों के उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने और उनहे प्रेरित करनें के लिए सहायता करें।

शैक्षक अनुप्रयोग-हाईस्कूल के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक रुचि पर शिक्षा में उपयोग कुछ निम्नलिखित हो सकता है।

1) समर्थन और प्रोत्साहन- पारिवारिक सदस्यों को विद्यार्थियों के शैक्षिक रुचि को समर्थन और प्रोत्साहन करना चाहिए वे उनहे उनके द्वारा चुने गये विषयों और कैरियर मार्ग में सहायता कर सकते है।
2) संवाद का महत्व- पारिवारिक सदस्यों को विद्यार्थियों के साथ संवाद को महत्वपूर्ण मानना चाहिए वे उनही रुचियों और लक्ष्यों को समझने के लिए उनके साथ बातचीत कर सकते है।
3) आवश्यक संसाधनो की उपलब्धता - पारिवारिक सदस्यों को विद्यार्थियों की उनकी शैक्षिक रुचियों को पहचानना चाहिए और उनहे वह संसाधन उपलब्ध करवाने चाहिए जैसे- पुस्तके कम्प्यूटर और अन्य संसाधन।
4) सकारात्मक प्रतिक्रिया - परिवार के सदस्यों को विद्यार्थियों की सफलता पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए जो उनहे और भी प्रेरित करेगी और उनकी शैक्षिक रुचि को बढावा देगी।
5) समर्थन नेटवर्क- पारिवारिक सदस्यों को विद्यार्थियों के लिए समर्थन नेटवर्क का होना चाहिए जो उनहे शैक्षिक सलाह और मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।

बालक कच्ची मिट्टी के बने होते हैं उनहे सही दिशा में ज्ञान देना आवश्यक होता है आज के बालक कल के भावी नागरिक बनाते है शिक्षा माध्यम से उनके ज्ञान का विकास कर सकते है।

CONFLICT OF INTERESTS

None.

ACKNOWLEDGMENTS

None.

REFERENCES

Gupta S.P. (2007) Higher Educational Psychology, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.
Pathak S.P. (2011), Educational Psychology, Agra Agrawal Publication.
Educational Psychology, Agra Agra Pg. 530.
Singh, Dr. Arun Kumar Educational Psychology, Motilal Banarasi Das, Varanasi.
Sarin and Sarin (2007) Educational Research Methods, Vinod Pustak Mandir, Agra-2.
Singh Dr. Ram Pal, Educational Research and Statistics, Vinod Pustak Mandir, Agra.
Tyagi G.S.D., (2005) Principles of Education, Vinod Pustak Mandir, Agra.